राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2370
पांचवां शिकार
World Terrorism
आतंकहर्ता नागराज
HEMANT
007 JAGDISH
GOVIND RAM
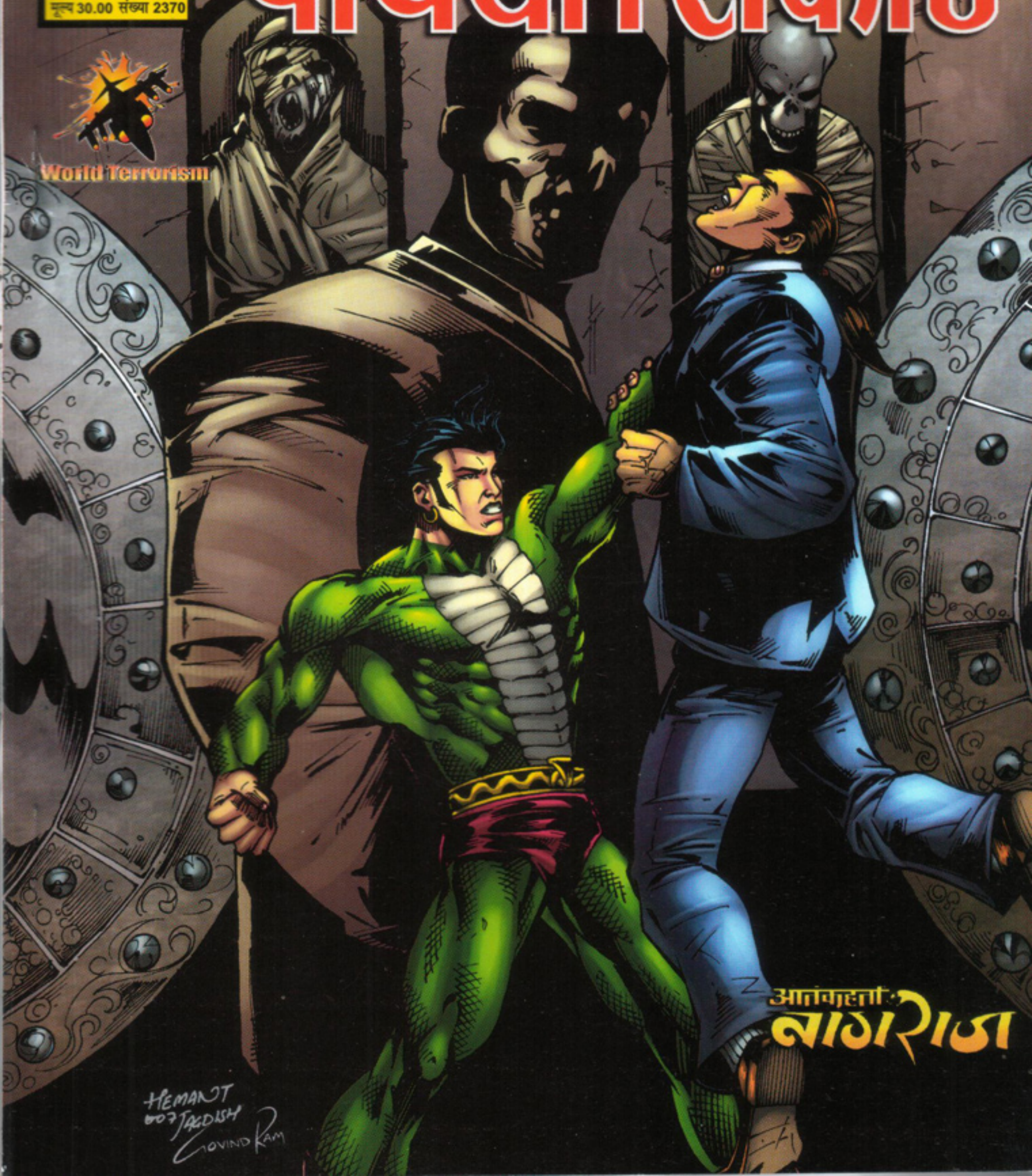
VERDICT
NAME : NAGRAJ
CHARGE : MURDER, CONTEMPT OF COURT
STATUS : FOUND GUILTY
PUNISHMENTS : LIFE IMPRISONMENT
इटली के प्रेसीडेंट के बुलावे पर आतंकवाद के खात्मे के लिए नागराज पहुंचा इटली! पर वहां
नागराज के आतंकवाद के खिलाफ सफर को खत्म करने के लिए माफिया पहले से ही कमर कस चुका था।
नागराज पर हुए एक के बाद एक कई हमले, आखिरकार माफिया डॉन कैपो रैंगटो की हत्या के झूठे आरोप में
हो गया नागराज अरैस्ट! नागराज का कैस लड़ने का फैसला लिया नागराज की दोस्त सिल्वियानो ने। अब
नागराज को जेल में रहकर ही करना था इटली से आतंकवाद का सफाया। नागराज पर नजर रखने के लिए
जेल में किए गए पुख्ता इंतजाम। पर आतंकवाद के खात्मे की जिद के आगे कोई भी इंतजाम कहां काम आने
थे। नागराज ने एंटोनिनो और बास्तोने को उनके अंजाम तक पहुंचाया पर अब नागराज पर है कानून की
अवहेलना का भी आरोप। और झप्पी सिंह की गवाही के बाद नागराज पर सिद्ध हो चुका है रैंगटो की हत्या का
आरोप! पर अभी भी बचे हैं दो और शिकार। क्या नागराज की जिद हो पाएगी पूरी या खत्म हो जाएगी
नागराज के साथ उसकी ये जिद भी? क्या नागराज सफल होगा करने में चौथा और...
संजय गुप्ता पेश करते हैं!
पांचवां शिकार
भाग 6
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
परिकल्पना
विवेक मोहन, क्षीतिश
लेखक
संजय गुप्ता, तरुण कुमार वाही
चित्रांकन
हेमन्त
इकिंग
जगदीश
इफेक्ट्स
प्रवीन सिंह
कैलीग्राफी
अमित कठेरिया, हरीश
सह सम्पादक
मंदार गंगेले
सम्पादक
मनीष गुप्ता

फफक-फफक कर रो रही थी सिल्वियानो।
नहीं। ये नहीं हो सकता। उफ! ये नहीं हो सकता।
तुम्हारे इस झूठ से आतंकवाद को लम्बी जिंदगी मिलेगी झप्पी सिंह। तब जितनी भी जानें जाएंगी, कातिल के रूप में लोग तुम्हारा नाम लेंगे।
मैडम जी! मैं माफी चाहता हूं। मैंने...
तुम!!!
फैसले की घड़ी आ पहुंची थी!
नागराज पर केपो रैंगटो की गोली मारकर हत्या करने का आरोप सि हो चुका है। अब मैं फैसला सुनाता हूं।
नागराज का अपराध 'Rarest of Rare' की श्रेणी में आता है। अदालत नागराज की उसके इस अपराध के लिए...
ठहरि

Your Honor! दुनिया की किसी भी अदालत का कोई जज किसी दबाव में आकर कोई फैसला नहीं दे सकता।
... फिर चाहे कटघरे में कोई साधारण मुजरिम खड़ा हो या आतंकहर्ता नागराज!
और ये हैं वो सबूत जो ये साबित करते हैं कि आप कुछ बड़ी आपराधिक ताकतों के दबाव में हैं। ये आपके बैंक एकाउंट्स की डिटेल्स हैं। जिनमें एक ही दिन में दस लाख डॉलर्स जमा किए गए हैं। क्या आप बताएंगे कि ये पैसा कहां से आया?
क्या बकवास है?
यह इल्जाम है मिस सिल्वियानो। आप कोर्ट की कार्यवाही को बाधित कर रही हैं।
मेरे पास दूसरा सबूत भी है। ये देखिए। आपको नागराज का फैसला जल्द से जल्द और आतंकवादियों के हक में करने के लिए पैसा दिया जा रहा है।
आपके अलावा जेलर को भी रिश्वत दी जा रही है।
1000

ये फिल्म साबित करती है कि जज जेन्सन हेनर को इसीलिए मारा गया ताकि नागराज का केस एक ईमानदार जज की अदालत में ना चले।
ऑब्जेक्शन योर-ऑनर। आरोप सिद्ध हो चुके हैं। मैं अदालत से दरख्वास्त करता हूं कि वो अपना फैसला जल्द से जल्द दें।
जेलर और जज को रिश्वत का मामला इतना तूल पकड़ गया कि स्वयं प्रेसीडेंट को इस मामले में हस्तक्षेप करके एक विशेष न्यायाधीश को इस केस के फैसले के लिये नियुक्त करना पड़ा।
और इस प्रकार-
सबूतों व गवाहियों के आधार पर ये अदालत मानती है कि नागराज निर्दोष है।
ये अदालत नागराज को बाइज्जत बरी करती है।
मजिस्ट्रेट जिम स्पीयर!!!
हाय हाय!!!
आतंकहर्ता नागराज!!!
जिंदाबाद!!
नागराज! एक और लड़ाई को जीतने में तुमने मेरी मदद की।
ये तुम्हारी अपनी जीत थी सिल्वियानो।

तुमने कैमरे को धोखा कैसे दिया?
वह मेरे लिए बहुत आसान था।
"मैंने विष फुंकार छोड़ी। जिससे कैमरे के सामने कुछ पल के लिए धुंध सी छा गई।"
"फिर मैं इच्छाधारी रूप धारण कर आजाद हुआ।"
"अगले ही पल नागू मेरे रूप में मेरी जगह ले चुका था।"
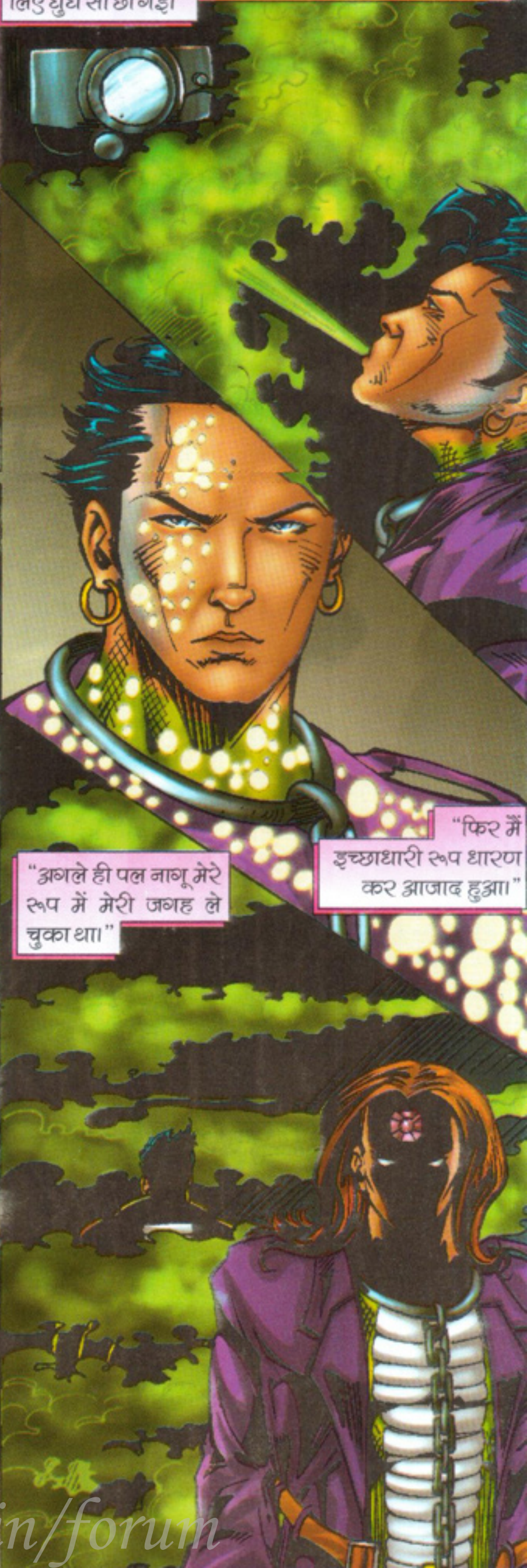
"बास्तोने को खत्म करने के बाद भी मैंने यही काम किया और वापस कैद हो गया था।"
लेकिन सिल्वियानो, तुमने जेलर और जज के खिलाफ सबूत कैसे जुटाए?
बैठो! फिर बताती हूं।
नागराज आपकी कार में नहीं बैठेगा...
...वो मेरी टैक्सी में बैठेगा।
झप्पी सिंह तुम?
ओ भापा जी...
...बचा लो!
मेरे बच्चों को बचा लो!

माफिया ने मेरे बच्चों परमजीत और हरजीत को उठा लिया है।
ये देखो!
ओह! तो इसीलिए तुमने अदालत में झूठी गवाही दी थी।
हां नागराज!...
...नागराज भापे। मुझे पता था कि उन सबूतों के रहते मेरी झूठी गवाही की कोई कीमत नहीं। वरना मैं अपने बच्चों को कुर्बान कर देता मगर झूठी गवाही कभी ना देता।
...झप्पी सिंह ने ही उन सारे सबूतों की फाइल लाकर मुझे दी थी, जिसके कारण तुम रिहा हो पाए!
ओ नहीं मैडम जी...
...ये कमाल आपके अंकल का है। उनके कहने पर ही मैंने ये सारे सबूत इकट्ठे किए।

झप्पी सिंह को पहचानने में मैंने कभी भूल नहीं की।
ओ भापा जी मुझे गले बाद में लगा लेना...
...आतंकवादियों ने धमकी दी है कि वो मेरे बच्चों को मारने वाले हैं। बचा सकते हो तो बचा लो।
उनका निशाना तुम्हारे बच्चे नहीं नागराज है।
नागराज के होते हुए तुम्हारे बच्चों को कुछ नही होगा!
क्रोध यहां भी था...
...और यहां भी-
आप तो कह रहे थे सर कि नागराज को कानूनी मौत मारेंगे। वो तो छूट गया।
केस भले ही नागराज जीत गया हो। मगर ये लड़ाई हम ही जीतेंगे।
PC. 1853

विश्व के सात अजूबों में से एक है पीसा की ये झुकती मीनार...
...जिसे उड़ाने का कांट्रेक्ट आतंकवादियों से मुझे मिला है।
मैं एक तीर से दो शिकार करूंगा।
मैं उसकी नाक के नीचे पीसा की मीनार पर धमाका करूंगा...
नागराज
बच्चों को बचाने के लिए
जरूर आएगा।

...विश्व आतंकवाद का दुश्मन नागराज खड़ा देखता रह जाएगा।
वो ना इन बच्चों को बचा पाएगा और ना पीसा की मीनार को।
और तेरी छाती नागराज की किक से फटेगी!!!
पीसा की मीनार पर मरम्मत का काम चल रहा है। अब यहां नागराज की मौत के धमाके से इसे किसी मरम्मत की जरूरत नहीं रहेगी। भविष्य में ये जगह नागराज के स्मारक के रूप में जानी जाएगी।
नागराज के स्मारक पर आकर आंतकवाद का बुरा चाहने वालों की छाती फट जाएगी। हाहाहा।
छाती तो अब तेरी उन बच्चों की मौत के दुःख से फटेगी नागराज, जिन्हें तू यहां पर छुड़ाने आया है।
देख उधर!!!
ओ भापा जी। तुम इनको छोड़ना मत। मैं अपने बच्चों को बचाने जाता हूं।
नहीं झप्पी सिंह। अंदर मत जाओ। उधर खतरा है।

खतरा तो अब चप्पे-चप्पे पर है।
आज यहां मौत का पूरा साजोसमान है।
जिंग
जिंग
जिंग
बूम्म!!!
जिंग
जिंग
नागराज हमें बचाओ।
तेरी मौत के लिए आज यहां जम कर आतिशबाजी होगी नागराज और फिर होगा धमाका 5000। उसी के साथ हो जाएगा पीसा ध्वंस।
ये मोटे केबल्स पीसा की मीनार को और अधिक झुकने से रोकने के उद्देश्य से बांधे गए हैं...

मोटे केबल्स नीचे खड़ी क्रेनों पर लगे व्हील्स पर लिपटे हैं...
बूम्म!!!
नागराज बचाओ।
आतंकवादी फ्लाइंग बॉम्ब्स से इन सभी तारों को तोड़कर पीसा की मीनार को गिराकर बड़ा धमाका करना चाहते हैं।
इन फ्लाइंग बॉम्ब्स को हवा में ही ब्लास्ट करके केबल्स तक पहुंचने से रोकना होगा।
बूम्म!!!
सांय
पापा जी!
घबराना नहीं बच्चों। मैं आ रहा हूं। तुम्हें बचाने।

बूम्म!!!
ओफ्फ!
थड़
व्हीSSS
झप्पी सिंह! पागल हो गए हो क्या? तुम वापस लौट जाओ। मैं तुम्हारे बच्चों को बचा लूंगा।
तू पहले अपने आपको तो बचा ले नागराज! हाहाहा।
यहां तेरी मौत का पूरा और पक्का इंतजाम है!!!
पीसा के खिलाड़ी बनेंगे...
फ्लाईगं वारियर्स
अब यहां खेला जाएगा मौत का खेल।
मारियातो की हत्यारी टीम।

नागराज विजेता!
नागराज को मिलेगी हार...
नागराज आज आखिरी बार जी भर कर देख ले पीसा को।
पीसा भी तुझे आखिरी बार देख रही है आज।
बड़ाम
...और मौत।
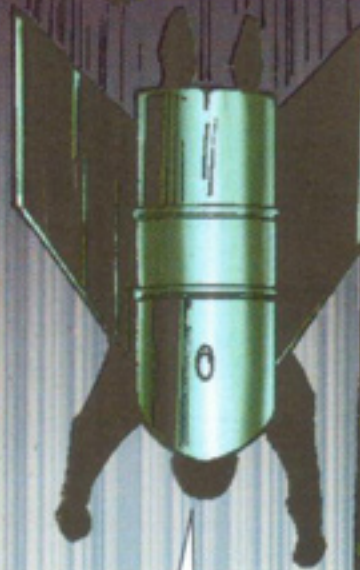
...क्योंकि आज के बाद ना नागराज जिंदा बचेगा...
और ना ही जिंदा बचेगी सालों से गिरने को तैयार यह...
धम्म
...पीसा की झुकती मीनार।
उफ! यह सभी बला से फुर्तीले हैं।
मुझे संभलने का मौका नहीं मिल पा रहा।
नागराज हम सम्मानपूर्वक तुझे इटली से विदा करते हैं।
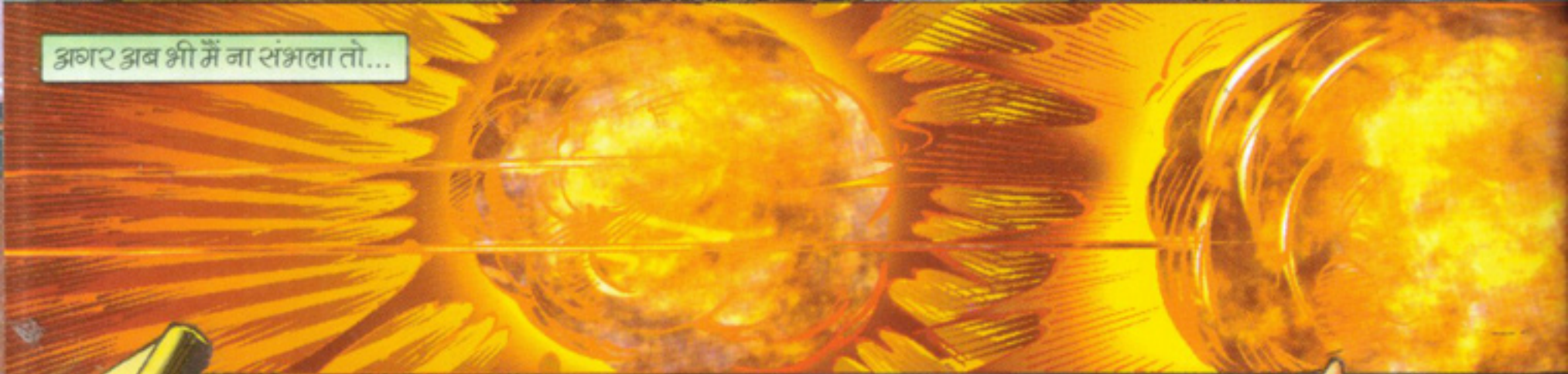
इटलीवासी तेरे सदा शुक्रगुजार रहेंगे कि तूने इटली में दम तोड़ा।
यह शायद आखिरी अवसर है।
अगर अब भी मैं ना संभला तो...
शायद अफसोस करने के लिए जिंदा ही ना रहूंगा।
मुझे बचाव के अवसर ढूंढना छोड़ना होगा...
अब समय है आक्रमण का।

मेरे नागों से फुर्तीला कोई माफिया नहीं।
मेरी नागशक्ति असीमित है।
अगर यह सभी चीते से चपल हैं तो मैं भी बिजली सा तेज हूं।
समय की मांग भी यही हैं मेरी पल भर की शिथिलता...
...एक देशभक्त और वफादार झप्पी सिंह के बच्चों की मौत का कारण बन जाएगी।

मेरी पल भर की निष्क्रियता विश्व के सातवें अजूबे को आतंकवाद का निवाला बना देगी।
और आतंकवाद का पेट भरे यह नागराज को मंजूर नहीं।
मारियातो का खेल खत्म।
बड़ाम!!!
शायद नहीं।
खेल पूरी तरह खत्म नही हुआ
क्योंकि कैप्टन अभी मौजूद है।
थड़!
बड़े सांप छोड़ता है तू!
अब धरे के धरे रह जाएंगे तेरे शरीर में भरे सांप।
ओफ्फ!

बेहोशी छा रही है ना नागराज?
पापा जी बचाओ!
...मगर नागराज भापे की जिंदगी ज्यादा जरूरी है।
माफ करना बच्चों...
नागराज भापे! घबराना नहीं। मौत को पहले झप्पी सिंह से टकराना होगा।
बूमम!!!
पापा जी बचाओ!
ओए चुप कर परमजीत। देख नहीं रहा पापा जी नागराज को बचाने गए हैं।
नागराज बच जाएगा तो हम सबको बचा लेगा।

झप्पी सिंह। ना तू नागराज को बचा पाएगा। ना अपने बच्चों को। और ना अपने आपको। देख! ये गया नागराज।
जमीन पर टकराने से पहले नागराज का जिस्म चीथड़े-चीथड़े हो जाएगा।
बूमम!!!
छोड़ दे झप्पी सिंह। मेरी फ्लाइंग मशीन।
ओ पापी। ऐसे कैसे छोड़ दूं। तूने नागराज को मारा है। मैं तुझे जान से मार दूंगा।
नागराज को चोट लगते ही उसके रक्त तैरते सैकड़ों सूक्ष्म सर्प एकदम से सक्रि हो उठते हैं।

इनका काम होता है तुरंत ही क्षतिग्रस्त कोशिकाओं का उपचार।
होश कायम रखने होगें।
अब उड़ जाएगा नागराज का जिस्म।
आतंकवाद के होश फख्ता करने के लिए।
बूम्म!!!
अपनी जिद पूरी करने के लिए
वाहे गुरु! मेहर करना।
थड़!!!
उफ!!
बचपन में मेरी कोई जिद पूरी नही हुई!
होती भी कैसे?

जिद पूरी करने के लिए जिद करनी भी पड़ती है।
पर जिद करता किससे?
बूम्म!!!
पापा जी!
जिद करने के लिए तो ममता नसीब नहीं हुई।
सर्ररर
सर्ररर
पर अब मैं अपनी जिद पूरी करके रहूंगा।
सांय
आतंकवाद का समूल नाश करने की जिद।
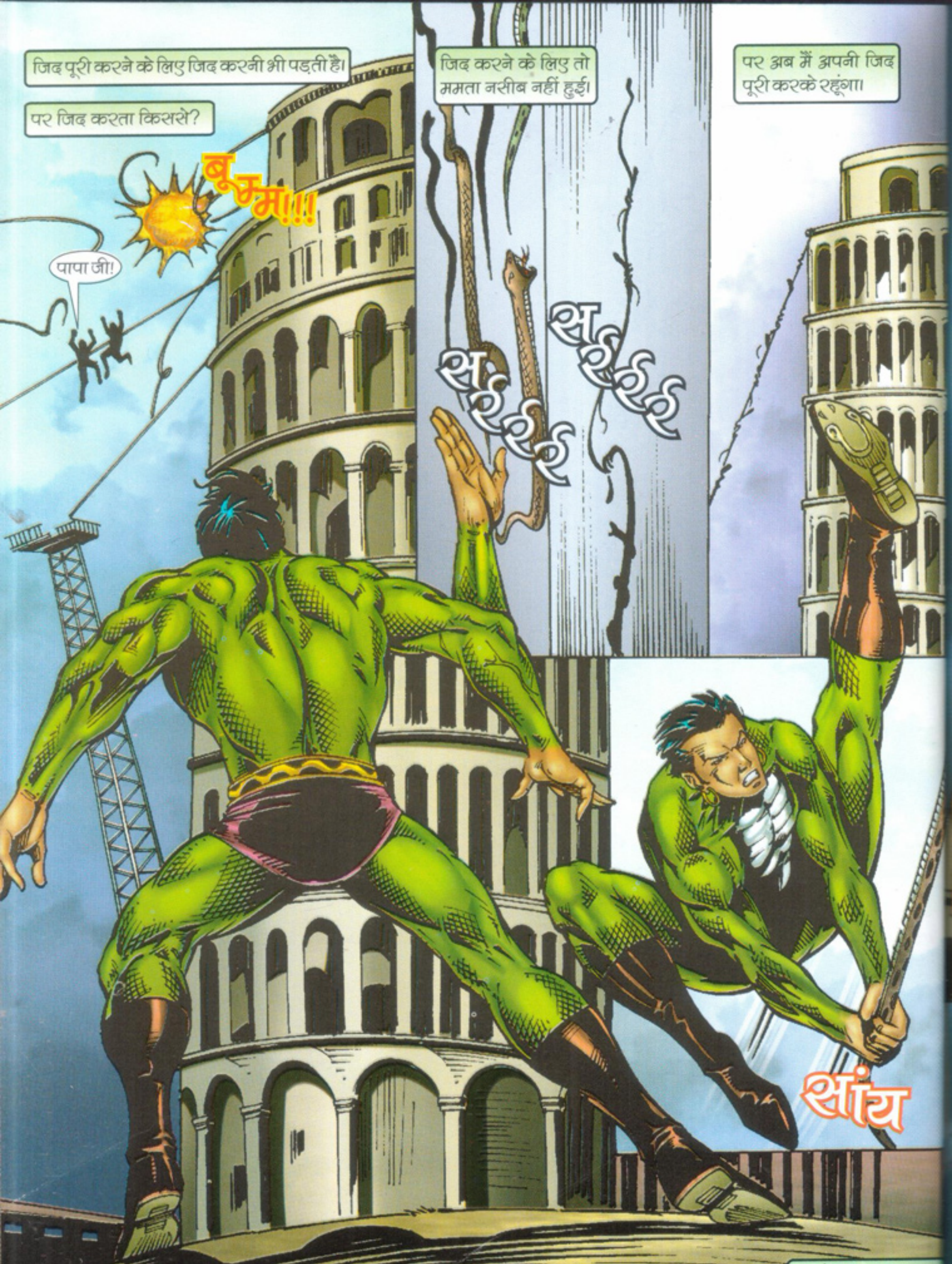
सांपों से घबराना नहीं बच्चों।
अब नागराज से पहले तू मरेगा झप्पी सिंह।
वाहे गुरु जी मेहर करना। आह!
जिंग
अगर आज यहां पर किसी की मौत होगी तो...
जिंग
जिंग
...वो आतंकवाद की होगी।
धाड़!!!

तेरे धमाके पीसा का कुछ नहीं बिगाड़ पाए। पर ये धमाका तू झेल पाएगा या नहीं...
धम्म
आह!
ये आखिरी धमाका बताएगा!!
यह ट्रक पीसा की तरफ क्यों दौड़ा आ रहा है?
सैक्रो ने कहा था धमाका 5000! क्या था इसका मतलब?
CAPACITY 5000
नही झेल पाया ये आखिरी धमाका।
धमाका!
ओह! वो ट्रक।
इन छोटे-छोटे धमाकों से या इन केबल्स को तोड़ने से पीसा नहीं गिरने वाली थी।

Capacity 5000 किलो। ओह! कहीं यह ट्रक ही तो नहीं करने वाला धमाका।
हाहाहा। इस ट्रक में भरा 5000 किलो बारूद जब पीसा से टकराएगा तो पीसा धूल में मिल जाएगी।
ट्रक निर्बाध गति से दौड़ा चला जा रहा था-
CAPACITY 5000
अब धमाके को कोई नहीं रोक सकता था। नागराज भी नहीं।
लेकिन शायद नागराज रोक सकता था।
CAPACITY 5000

या शायद नागराज भी नहीं रोक सकता था-
धमाका हुआ-
बड़ाम
पीसा सुरक्षित थी-
थैंक्यू शीतनाग।
ये तो मेरा फर्ज है नागराज।
लेकिन माफिया के वाहनो में-
बूम्म
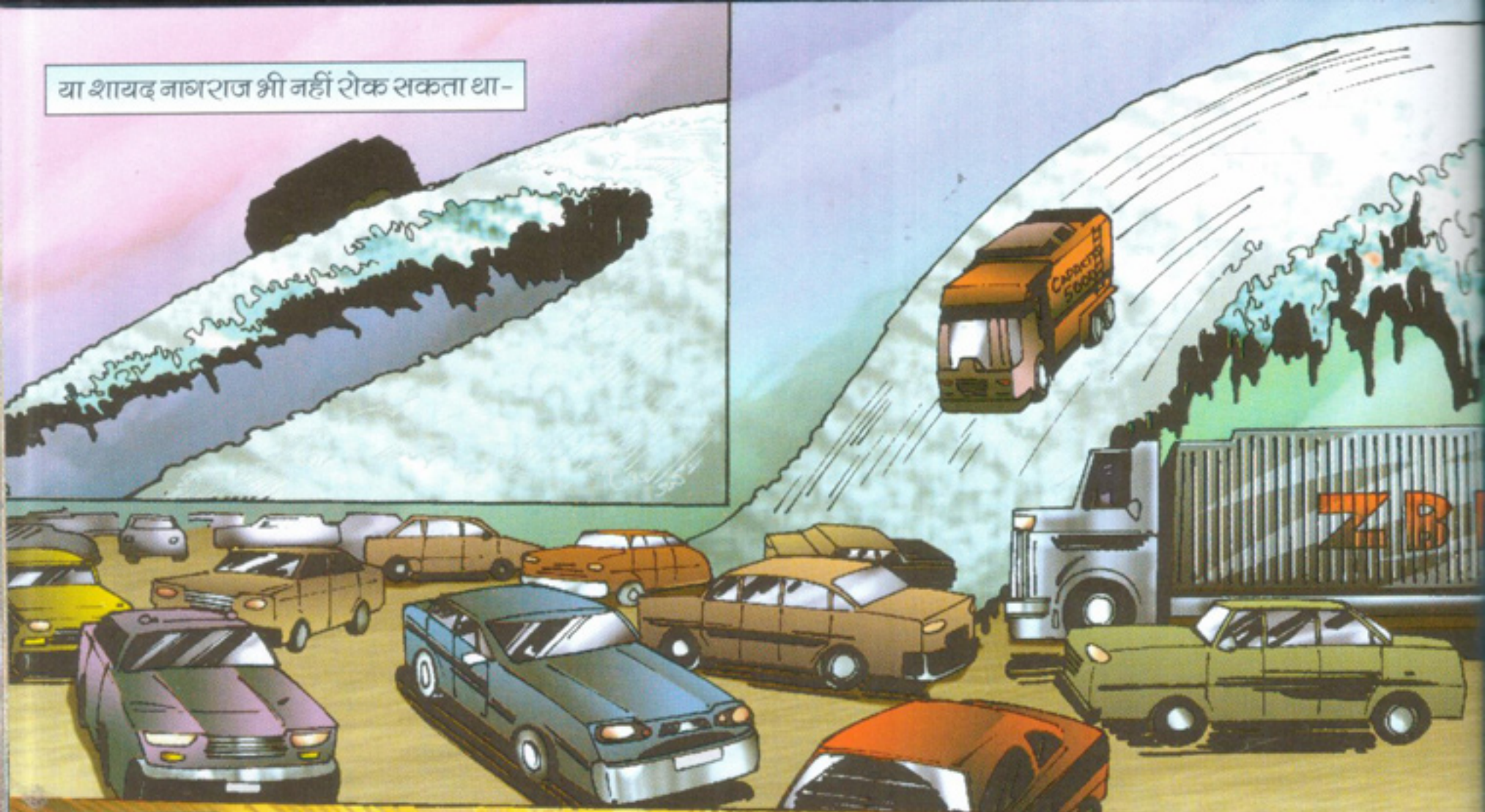
झप्पी सिंह!
नागराज अंकल! पापा जी के खून निकल रहा है।
न...नागराज...
...भ...आपे! मेरा समय आ गया है। मेरी चिंता मत करो। तुम्हारा शिकार कैटाकॉम्ब के रास्ते से भाग रहा है। वो ब...बचना नहीं चाहिए।
वो नहीं बचेगा। झप्पी सिंह।
मुझे आखिरी झप्पी तो दे दो नागराज।
नहीं। झप्पी सिंह। तुम्हें कुछ नहीं होगा।
अभी तुम्हें अपने बच्चों को पालना है। उन्हें बड़ा करना है। उनकी शादियां करनी हैं।
और हिंदुस्तान से आए हर टूरिस्ट को भी घुमाना है।

यहां तैनात सभी गार्ड्स को मार दिया गया था। हादसे की खबर हमें बहुत देर में मिली।
आप झप्पी सिंह को अस्पताल पहुंचाएं इसके पेट में गोली लगी है। ये बचना चाहिए।
वो जरूर बचेगा। नागराज।
...और मैं जा रहा हूं। इस केस की आखिरी कड़ी को तोड़ने, जिसके बाद इस पूरे माफिया का अंत हो जाएगा।
और मैं जानता हूं कि वो आखिरी कड़ी केपो डी टूटी केपी सैक्रो कबोरा कौन है।
कड़ड़ाक
सैक्रो कबोरा जिस टैंक व्हीकल पर सवार है, उसके पहियों के निशान इसी ओर जाते दिख रहे हैं।

यही हैं विश्व प्रसिद्ध कैटाकॉम्ब! यानी अंडर ग्राउंड सीमेट्रीज (कब्रिस्तान)। 'कैटाकॉम्ब' शब्द ग्रीक उत्पत्ति है। जिसका अर्थ है गड्ढेदार आला जहां बड़े-बड़े वीर योद्धाओं के शवों को गाड़ा जाता था।
ये * ब्यूरियल-निश' जमीन के नीचे सुरंगों की दीवारों में बनी होती थीं।
ये उन्हीं के अवशेष हैं।
लगता है माफिया इनका इस्तेमाल अपने किसी फायदे के लिए कर रहा है।
फिलहाल मुझे सैक्रो तक पहुंचना है।
कहां चला गया वो सुरंगों के इन जाल में से निकलकर।
* Burial Niche = दीवारों में शवों को गाड़ने के लिए बना आलानुमा कब्रिस्तान।

हाहाहा! नागराज! तू कैटाकॉम्ब में आया है। तो मिल मेरी 'साल्वेशन-आर्मी' अर्थात् 'मुक्ति सेना' से। आतंकवादियों का नाश करके तू जो पाप कर रहा है...
....ये मुक्ति सेना तेरा वध करके तुझे तेरे सारे पापों से मुक्त करके मोक्ष की राह दिखाएगी और शांतिपूर्वक 'एटर्निटी' अर्थात् पारलौकिक जीवन का हिस्सा बना देगी। और हां अपने शव की चिंता मत करना। उसे मैं इसी कैटाकॉम्ब में रखूंगा।
रिंऽऽऽऽचाक्क

इन योद्धाओं के शस्त्र चमत्कारी हैं। इन शस्त्रों के साथ लड़ने वाला कभी परास्त नहीं होता।
गुड बाय नागराज। मौत मुबारक हो।
कैटाकॉम्ब के तिलिस्मी योद्धा हैं ये।
इनके प्रहार घातक हैं।
इनके शस्त्र केवल जख्म ही नहीं बना रहे...।
शरीर की शक्ति भी चूस रहे हैं।
इनसे शीघ्र ही छुटकारा पाना होगा।

किंतु क्या मेरी सर्प सेना इन्हें कोई नुकसान पहुंचा पाएगी?
मेरी सर्प सेना इन पर असफल है।
आह! मैं इस दर्द को बर्दाश्त नहीं कर सकता।
यह असहनीय पीड़ा दे रहे हैं।
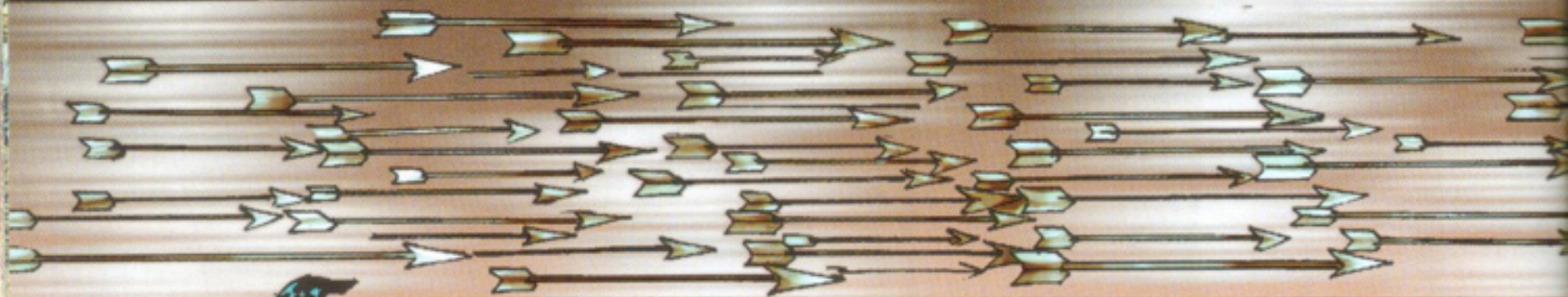
क्या आज नागराज मृतकों की सेना द्वारा मारा जाएगा?
फुं ऽऽऽऽ
मेरी विष फुंकार भी असफल रही।
आहहहह!
क्या मुक्ति सेना के हाथों आज नागराज इस संसार से मुक्त हो जाएगा?
किसी यमदूत की तरह चला आ रहा है ये!
लेकिन, नागराज को अभी मौत मंजूर नहीं।

यमदूत तो खुद मैं हूं।
और मुझे अपना यह आत्मविश्वास मजबूत करना होगा।
आतंकवाद के लिए!
इसी आत्मविश्वास की वजह से मैंने हर बार अपनी मौत पर विजय पाई है।
हर बार जीतेगा नागराज। हर जंग जीतेगा नागराज।
और मेरा यही आत्मविश्वास मुझे फिर विजय दिलाएगा।
इनके अपने चमत्कारी शस्त्र इनकी हार का कारण बनेंगे।

इनकी तादाद बहुत ज्यादा है। इन्हें इस तरह खत्म करने में कई दिन लग जाएंगे।
जबकि मुझे जल्द से जल्द सैक्रो तक पहुंचना है।
बूम्म
ओह, वो रहा। वो उस सुरंग में चला गया है। सुरंगों का जाल फैला है यहां।
ओह, नहीं। माफिया किंग सैक्रो कबोरा को भी कैटाकॉम्ब की मैजिक शक्तियां प्राप्त हैं।
शायद तुम्हारी मौत मेरे ही हाथों लिखी है नागराज।
मुझे कैटाकॉम्ब की चमत्कारी शक्तियां प्राप्त हो गई थीं। इसीलिए मैंने एक-एक करके तुम्हारे हाथों अपने गैंग के सभी बड़े लीडर्स को खत्म करवा दिया ताकि मैं अकेला ही पूरे विश्व के आतंकवाद का सम्राट बन सकूं...।
रिं क्रंच sss
हालांकि यह काम मैं खुद भी कर सकता था लेकिन उसके लिए मुझे अपनी इन तिलिस्मी शक्तियों का इस्तेमाल करना पड़ता जिन्हे मैं छुपाकर रखना चाहता था।

और नागराज! अब तेरे खात्मे के बाद मेरा सपना जरूर पूरा होगा।
विश्व में अब जहां भी आतंकवाद की एक छींक भी गूंजेगी तो वहां सैक्रो कबोरा का नाम लिया जायेगा। आहाहाहा।
थड़!!!
विश्व में जो कोई आतंकवाद फैलाने का सपना देखेगा मैं उसका सपना तोड़ूंगा। तेरा सपना भी टूटेगा शैतान! (हम्फ)
मेरी मौत का सपना मत देख नागराज...।
...क्योंकि ये कब्र मैंने तेरे शव के लिए चुनी है!...
...यहां तुझे ऐसी नींद मिलेगी कि तू कोई भी सपना नहीं देख पाएगा।
हाहाहा! बन गई नागराज की कब्र कैटाकॉम्ब में।

ये सारे के सारे इस छोटी सी कब्र में कैसे समाते जा रहे हैं?
मेरा शरीर इन कंकालों से ढकता जा रहा है!
कैसा अनोखा तिलिस्म है यह?
परमशांति मुबारक हो नागराज।
उफ! यह सभी मेरी नाग ऊर्जा को चूस रहे हैं।
यह बहुत दर्दनाक अनुभव है। जैसे बहुत से चिमटे एक साथ पूरे शरीर की त्वचा उधेड़ रहे हों।

जिन्दा ही एक कब्र में मुर्दा नहीं बनना मुझे।
आखिरी सांस तक मौत से टक्कर लेनी है मुझे।
यह ध्वंसक सर्प एक बड़ा विस्फोट करेंगे।
मौत से मौत की टक्कर होगी।
देखता हूं कौन जीतेगा।
ये मुर्दे।

या नागराज
बहुत जीवट है तुझमें। आज समझ में आ रहा है कि विश्व आतंकवाद क्यों तुझसे कांपता है।
धमाकों से बुरी तरह घायल हो गया हूं मैं। संभलने में कुछ समय लगेगा। लेकिन क्या यह शैतान मुझे वो समय देगा?
तिड़ड़ड़!!!
तू हर बार मौत को छका देता है।
धाड़!!!
ओफ्फ!
किंतु आज जितना कमजोर तू कभी नहीं हुआ था।
अब तू अपने टुकड़े-टुकड़े होने से बचा सकता है तो बचा।
यह सही कह रहा है। मेरे अंदर इतनी कमजोरी आ गई है कि मैं यह पिलर हिला तक नहीं पा रहा।
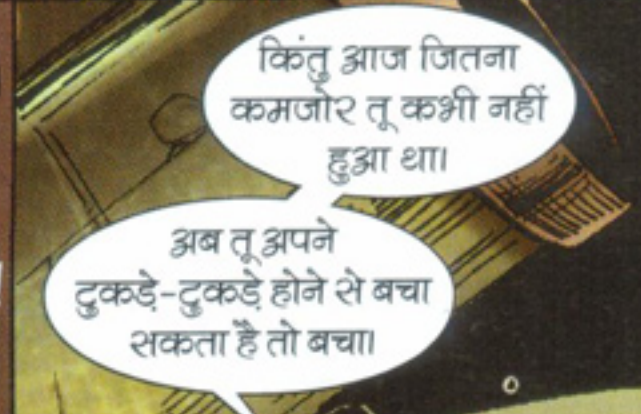
मुझे अपनी सम्पूर्ण शक्ति को संचित करना ही होगा।
तू गया नागराज। तू गया। आहाहाहाहा!
तेरा अंत किए बिना नहीं जाऊंगा। शैतान।
ओफ्फ!
धाड़
ये है नाग शक्तियों का संयुक्त प्रहार।
धाड़
एकता में बहुत ताकत होती है शैतान सैक्रो।
नागराज अकेला नहीं है सैकड़ों, हजारों शक्तिशाली सर्पों की ताकत है उसके साथ।
...अब उनकी संयुक्त ताकत की किक खा और बता मुझे इसका स्वाद।

पहाड़ पर
एक-दो चट्टानें आ
गिरें तो वो टूटा नहीं करते
नागराज। हाहाहा।
पहाड़ों में बारूद
लगा दो...
धच्चाक!!!
धाड़
...तो वो सिर्फ टूटते नहीं...
...बल्कि...
क्रिंश SSS
...टूट कर...
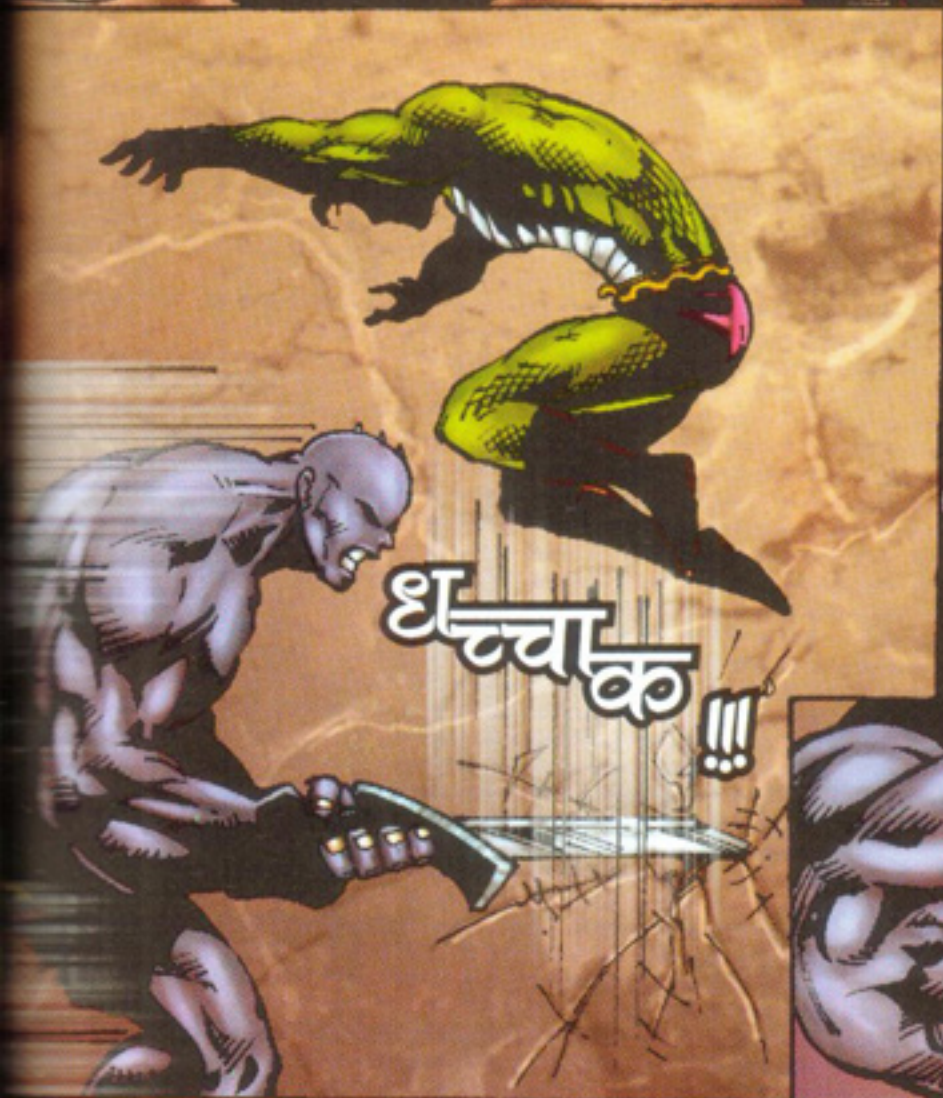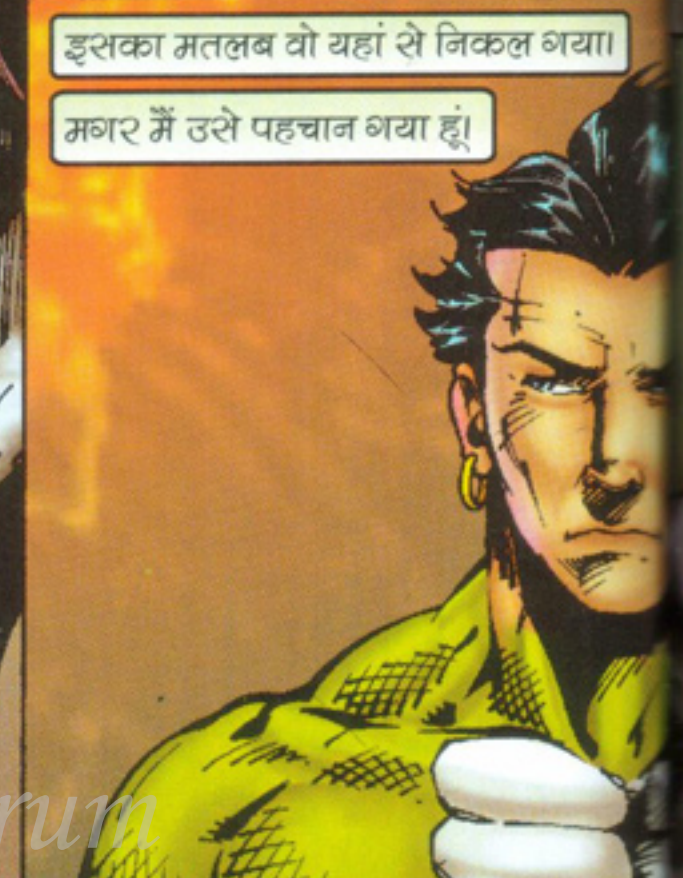
...बिखर जाते हैं!!
आ
आ
हा!
मैंने विचित्र रौशनियों के रूप में कैटाकॉम्ब की शक्तियों को तेरे मस्तक में समाते देखा था। एकाएक ही ये विचार मेरे मन में कौंधा कि क्यों ना मैं तेरे मस्तक पर प्रहार करूं।
विचार काम कर गया।
ओह, नहीं, ये वो नहीं है। ये वो पांचवां शिकार नहीं है।
मैंने उसकी छाती पर अपने जूते की छाप छोड़ी थी...
...वो छाप इसकी छाती पर नहीं है।
इसका मतलब वो यहां से निकल गया।
मगर मैं उसे पहचान गया हूं।

इटली की जनता ने नागराज का भव्य स्वागत किया।
आतंकहर्ता नागराज!!!
जिंदाबाद!!!
नागराज! मैं प्रेजीडेंट हाउस से आया हूं। तुम्हारी कामयाबी के लिए प्रेजीडेंट साब ने एक प्रेस कांफ्रेंस रखी है।
प्रेजीडेंट हाउस
तुम्हारा स्वागत है नागराज।
कैटाकॉम्ब की सुरंगों की गहन जांच करवाओ। उसमें काफी असला-बारूद मिलेगा। कुछ अपराधी तत्व इनका लाभ उठाकर चिरनिद्रा में लीन शहीदों की शांति भंग कर रहे हैं।
नागराज! अपनी सर्प शक्तियों का कुछ प्रदर्शन करो।
जरूर!
अरे!
हिस्स

ओह! माफी चाहता हूं प्रेजीडेंट साहब। सांप गलत दिशा में छूट गए।
क...कोई बात नहीं।
मैं चेंज करके आता हूं।
...मैं जानता हूं नागराज तुमने वो हरकत क्यों की?
मेरा शक प्रेजीडेंट पर ही था कि वो पांचवां यही है। मैं सैक्रो की छाती पर छोड़े अपने जूते की छाप देखना चाहता था। मगर वो छाप वहां नहीं है।
तुम मेरी छाती पर यही निशान देखना चाहते थे ना?
ये...ये सांप कहां से आ गया?

गुनाह छुप नहीं सकता बहरूपिये प्रेजीडेंट।
ओह! तुम्हें पता चल गया।
नागराज! इस शैतान ने मुझे कैटाकॉम्ब की सुरंगों में कैद कर रखा था। और मेरे बदले खुद प्रेजीडेंट की कुर्सी पर आ डटा था।
स्पेन में मुझे मारने की सुपारी इसलिए दी गई थी ताकि माफिया यहां अपना राज कायम कर सके लेकिन तुमने मुझे उस हमले से बचा लिया तो इस बहरूपिये ने अपना प्लान बदलकर यहां आते ही मुझे कैद कर लिया था।
नेशनल सिक्युरिटी गार्ड्स ने उस सुरंग में मुझे देख लिया और वे लोग मुझे यहां ले आए।
Arrest Him!
नागराज! कैटाकॉम्ब की कुछ नई सुरंगों में से भारी मात्रा में हथियार,गोला-बारुद, अफीम, कोकीन, गांजा जैसी चीजें मिली हैं।
नागराज! तुम मेरे न्यौते पर इटली आए थे। यहां मेरा खलनायक वाला रूप देखकर तुम जरूर हैरान रह गए होगे ना।
हां

मगर बहरूपिये प्रेजीडेंट ने एक भूल कर दी। उसने मुझे माफिया गिरोह के चार ही लोगों के नामों की डिटेल्स लैपटॉप में दी थी। जबकि सिल्वियानो के अंकल डेको ने मुझे पांच माफिया डॉन्स के बारे में बताया था। मैं तभी समझ गया था कि पांचवां कौन है? खुद प्रेजीडेंट!
तब-
अंकल डेको। हर रात की सुबह होती है। अंधेरे अब छट चुके हैं।
आज हम अंधेरों में नहीं आयेंगे, बल्कि आप अंधेरों से बाहर आयेंगे।
जहां नागराज सूरज बनकर चमकेगा, वहां अंधेरे कायम नहीं रह सकते!!
एक दिन खत्म होंगे सारी दुनिया में फैले आतंकवाद के अंधेरे।
नागराज सिल्वियानो व अंकल डेको से विदा लेकर निकला ही था कि-
ओ भापा जी। टैक्सी तैयार है।
अरे! तुम्हें अस्पताल वालों ने इतनी जल्दी छोड़ दिया झप्पी सिंह।
ओ जी अस्पताल में बैड की मारा-मारी है। मैं खुद ही छोड़कर चला आया।
बहुत भूख लगी है। पहले खाने का कुछ इंतजाम करो। किसी होटल में ले चलो।

झप्पी सिंह नागराज को उसी रेस्तरां में ले गया।
कमाल है झप्पी सिंह। जब भी मुझे कुछ खाना होता है तो तुम इसी रेस्तरां में ले आते हो!
ओ भापा जी। पूरे रोम में एक ही रेस्तरां है जी इंडियन फूड का।
झप्पी को इस बात का सदा अफसोस रहेगा टैक्सी अचानक खराब होने की वजह से वो मुझे एयरपोर्ट ना छोड़ने आ सका!
ओ भापा जी! क्या बताऊं। राज की बात है। वो भापा जी बात ये है कि दरअसल ये मेरी पत्नी लाजो जी का रेस्तरां है।
क्या?
TAXI
सारी दुनिया में कत्लेआम मचाता घूम रहा है।
आज तक इसे अपनी टक्कर का कोई नहीं मिला।
लेकिन मैं इसे मौत का स्वाद चखा कर रहूंगी।
खत्म हो गया नागराज।
समाप्त

प्यारे आतंकहर्ता मित्रों, जनून!

इटली सीरीज का आखिरी भाग 'पांचवां शिकार' लेकर आपकी अदालत में उपस्थित हूं। 'ओमेर्टा' आप सभी को पसंद आई इस बात की मुझे बहु खुशी है। मुझे विश्वास है कि 'आंख मिचौली' को भी आप जरूर पसंद करेंगे और 'पांचवां शिकार' भी आपकी पसंदीदा कॉमिक्स में जरूर जगह बनाएगी। यह अंतिम पार्ट हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती था क्योंकि पिछली कई सीरीज से आपको यही शिकायत रही कि सीरीज के अंतिम पार्ट पूरी सीरीज को कमजोर बना देते हैं। कहानी को अचानक ही खत्म नहीं कर दिया गया। पेजिस की जरूरत थी तो यह कॉमिक 40 की जगह 47 पेजिस तक बनाई गई। अब चूंकि इस सीरीज की पहली तीन कॉमिक्स पहले ही प्रकाशित हो चुकी थीं जिनमें कि बहुत से सुधारों की गुंजाइश थी। किंतु अब उनमें तो सुधार किए नहीं जा सकते थे। लेकिन आपने 'ओमेर्टा', 'आंख मिचौली' और 'पांचवां शिकार' में किए गए सुधारों को अवश्य महसूस किया होगा पूर्व में होता यह था कि जो कॉमिक्स लेखक लिखकर लाए उन्हें बस एक बार एडिट करके आर्टिस्ट को चित्र बनने के लिए दिया जाता था। बस फिर हमारा काम खत्म। लेकिन अब लेखक के कहानी लिखकर लाने के बाद और पब्लिशिंग के लिए जाने तक कम से कम पंद्रह बार उसे सुधारा जाता है। हर संभव नई-नई चीजें आखिरी वक्त तक उसमें डाली जाती हैं और उसकी कमजोरियां चुन-चुन कर निकाली जाती हैं। आज दिनांक 11 मई 2009 को जब मैं यह ग्रीन पेज लिख रहा हूं आज ही यह कॉमिक्स प्रिंटिंग में जा रही है और आज ही इसका पहला और अंतिम पृष्ठ दोबारा से तैयार किया गया है। कल रविवार के दिन ही इसके लिए कुछ और नए डॉयलॉग्स सोचे गए थे जिन्हें आज ही कॉमिक्स में पिरोया गया है। 'पांचवां शिकार' में पहली बार वर्ल्ड टेररिज्म सीरीज में थोड़ा सा फेंटेसी का तड़का भी डाला गया है। जिसके बारे में मैं अभी यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि वर्ल्ड टेररिज्म सीरीज में आगे फेंटेसी नहीं होगी अगर होगी भी तो बस दाल में नींबू जितनी। आशा है कि आपको यह कॉमिक कसी हुई और मनोरंजक लगेगी। पिछले पार्ट्स में झप्पी सिंह को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया था आशा है कि अंतिम पार्ट में इस किरदार ने आपकी आशा अनुरूप आपका मन मोह लिया होगा।

अब नागराज का अगला सफर होगा जापान सीरीज जोकि आपको जुलाई-अगस्त में उपलब्ध होगा क्योंकि उससे पहले आएंगे '26/11', 'नागराज के बाद', 'हल्ला बोल'। '26/11' और 'नागराज के बाद' तैयार हैं। 'हल्ला बोल' अभी आधी ही बन पाई है इसी वजह से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव करके उससे पहले 'नागराज के बाद' प्रकाशित की जा रही है।

'26/11' के बारे में जितना पूर्व ग्रीन पेज में बता चुका हूं उससे ज्यादा नहीं बता सकता। कहानी में गजब का एक्शन व सस्पेंस आपको मिलेगा। 'नागराज के बाद' तीन पार्ट्स की एक अनोखी सीरीज शुरु हो रही है जिसमें महानगर प्रशासन नागराज के विरुद्ध हो गया है। उसके इच्छाधारी नागों सौडांगी, शीतनाग, नागू व अन्यों के लिए भी भारी मुसीबतें खड़ी कर दी गई हैं। भारती कम्युनिकेशन्स अब उसका विरोधी बन चुका है। राज अब बेरोजगार है, किराए के मकान में रहता है और किराया तो क्या अब उसके पास एक वक्त का खाना खाने के भी पैसे नहीं हैं और ऐसे में उससे टकराए हैं उसके दो जानी दुश्मन। दुनिया पर छाया है एक बड़ा खतरा और नागराज को कर दिया गया है इस बार बहुत कमजोर। आशा है आपको कॉमिक्स में लुत्फ आएगा और इस लुत्फ को जारी रखने के लिए आएगा दनादन डोगा और नरक नाशक नागराज का 'हल्ला बोल' जिसके विषय में आपको आगामी ग्रीन पेज में बताऊंगा।

अब आपके लिए पेश हैं आगामी तीन सेट्स की सूची-

सेट 1		सेट 2		सेट 3	
26/11	(नागराज और डोगा)	नागराज के बाद	(नागराज)	हल्ला बोल	(नागराज और डोगा)
स्पीड ब्रेकर	(डोगा)	थांबा	(डोगा)	लेवल जीरो	(नागराज, ध्रुव व टोड्स)
प्रेम रत्न	(कोबी-भेड़िया)	प्रेम अश्रु	(कोबी-भेड़िया)	गोल्डन जुबली	(डोगा)
सूर्यांश	(योद्धा)	सृष्टि	(योद्धा)	प्रेम श्राद्ध	(कोबी-भेड़िया)
परी जन्म	(भोकाल)	देव युद्ध	(भोकाल)	भोकाल जन्म	(भोकाल)
मौतुड़ा	(थ्रिल हॉरर)	पांच सौ फंदे	(थ्रिल हॉरर)	स्वर्ग पात्र	(योद्धा)
बलि के बकरे	(बांकेलाल)	दूध घास	(बांकेलाल)	डायन मां	(थ्रिल हॉरर)
नाग ज्योति	(विसर्पी)	गहरी चाल	(फाइटर टोड्स)	अंगूर खट्टे	(बांकेलाल)
अधूरा प्रेम	(सौडांगी)				
मिलन यामिनी	(कालदूत)				
पंचनाग	(पंचनाग)				

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें : ग्रीन पेज नं. 292 राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84

Forum पर अपनी पोस्ट आप **www.rajcomics.com** पर करें।

जनून!

धन्यवाद

आपका-संजय गुप्ता